सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 138 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 22 जून, 2024
मूल्य ₹ 3/-

सफल लोग हमेशा दूसरों की मदद करने के अवसर खोजते रहते हैं। असफल लोग हमेशा पूछते रहते हैं कि, इसमें मेरे लिए क्या है?

-ब्रायन ट्रेसी

वेस्टइंडीज ने मुश्किल की अमेरिका... 7 | बिहार से लेकर महाराष्ट्र तक आरक्षण... 3 | भाजपाइयों की पहचान, झूठों को... 2

नेताओं के ही नहीं पत्रकारों के दिल भी सत्ता के लिये बदल जाते हैं : संजय शर्मा

इंदौर में पत्रकारिता महोत्सव में गोदी मीडिया को धो दिया 4PM के संपादक ने

- सरकार की वाहवाही नहीं कमियों को भी करें उजागर
- इंदौर प्रेस क्लब के एक समारोह में साझा की अपनी बातें
- दिग्गजों ने किया वरिष्ठ पत्रकार संजय शर्मा का सम्मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूरे भारत में अपने बेबाक व निर्भीक पत्रकारिता व एनकरिंग से सत्ता की चूले हिला देने वाले वरिष्ठ पत्रकार व यूट्यूब 4 पीएम के संपादक संजय शर्मा ने दिल और दल बदलने वाले पत्रकारों को कथनी व करनी को आइना दिखाया है। उन्होंने कहा कि नेताओं ही नहीं पत्रकारों के दिल भी सत्ता के लिए बदल जाते हैं। श्री शर्मा ने इंदौर में प्रेस क्लब के एक समारोह में ये बातें साझा की। बता दें इंदौर गौरवशाली स्टेट प्रेस क्लब भारतीय पत्रकारिता महोत्सव का इस वर्ष भी आयोजन कर रहा है।

इस आयोजन में तमाम दिग्गजों के साथ लखनऊ से वरिष्ठ पत्रकार संजय शर्मा भी आमंत्रित किए गए थे। 21, 22 और 23 जून यानी तीन दिवसीय यह समारोह चला। इस आयोजन में बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए संजय शर्मा ने अपनी कहानी बताते हुए गोदी मीडिया को जमकर धोया। 4 पीएम यूट्यब चैनल के सर्वेसर्वा संजय शर्मा ने इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में अपने अखबार से लेकर यूट्यूब चैनल की यात्रा की पूरी कहानी भी सुनाई। चैनल से पहले वह शाम का अखबार निकालते थे जो आज भी जनता से जुड़े मुद्दे उठा रहा है। श्री शर्मा ने कहा कि छोटे से शहर से आकर यूपी की राजधानी लखनऊ में कुछ अखबारों से होते हुए अपनी स्वतंत्र पत्राकारिता शुरू की और सत्ता पक्ष के विज्ञापन की बजाए उस खबर को दिखाया जिसे सरकारें दिखाना नहीं चाहती थी। उन्होंने कहा कि उनका अखबार हमेशा सच के साथ खड़ा रहता है।

फोटो :4 पीएम

'सरकारी दमन के आगे नहीं झुका'

संजय शर्मा ने अपने साथ हुए सरकारी दमन की कहानी भी बताई। उन्होंने बताया कि 2017 में जब यूपी में बीजेपी की सरकार आई तो उनको कई बार सरकार के खिलाफ सच न लिखने के लिए धन, बल से दबाने की कोशिश की गई। कभी ईओडब्ल्यू, पुलिस, ईडी व आईटी के नोटिसों से डराने का प्रयास किया गया। इतना ही नहीं उनके व उनकी पत्नी पर एक बड़े पुलिस अफसर द्वारा मुकदमा भी दर्ज करवाया गया। उनके कार्यालय पर गुंडों द्वारा हमला भी किया गया। पर उन्होंने अपनी कार्यशैली से कोई समझौता नहीं किया। वह आज भी सत्ता से सवाल पूछना जारी रखे हुए हैं।

राजनेता से ज्यादा खतरनाक नौकरशाह

अपने विचार साझा करते हुए वरिष्ठ पत्रकार संजय शर्मा ने कहा कि नेताओं से ज्यादा खतरनाक नौकरशाह होते हैं। वही एक नेता की छवि को खराब कर देते हैं। उन्होंने कहा नौकरशाह दो साल पढ़कर आईएएस बन जाते हैं फिर जनता से अपने को बड़ा समझने लगते हैं। जबकि नेता हर पांच साल में जनता के पास परीक्षा देने जाते हैं ऐसे में नेता अगर जनता से दूर होंगे तो वह फिर कभी चुनाव जीत नहीं पाएंगे।

अयोध्या व यूपी ने दिखाई नई दिशा

संजय शर्मा ने बीजेपी के अयोध्या हारने पर कहा कि अयोध्या ने इसबार देश की राजनीति को एक दिशा दी है। उन्होंने कहा कि इस देश के आमजन को नफरत की सियासत पसंद नहीं है। श्री शर्मा ने कहा कि इससे पहले भी अयोध्या ने एकबार दिशा दिखाई थी जब बाबरी मस्जिद ढहने के बाद बीजेपी को करारी शिकस्त झेलनी पड़ी थी। उन्होंने आगे कहा कि यूपी ने इसबार बीजेपी की सीटें कम करके देश में एक नई राजनीति का संकेत दिया। अपनी बात दुष्यंत कुमार के शेर के साथ खत्म करते हुए उन्होंने कहा कुहांसा छंटेगा और नई सुबह आएगी।

समाज शिक्षित होगा तो नेता भी संस्कारी होंगे : संजय द्विवेदी

माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति संजय द्विवेदी ने कहा कि जब समाज शिक्षित होगा और उसमें संस्कार होंगे तो नेता खुद बा खुद संस्कार वाले पैदा हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर नेता का मन एक विचारधारा से ऊब कर दूसरी तरफ चला जाता है तो उसे गलत नहीं समझा जाना चाहिए।

ईमानदारी के साथ पत्रकारिता करना बहुत मुश्किल : दीपाली

जी टीवी की एंकर दीपाली ने कहा कि इस दौर में ईमानदारी के साथ पत्रकारिता करना बहुत मुश्किल हो गया है। इस दौर में जो पत्रकार ईमानदारी से काम करना चाहें तो मालिक ही उन्हें यह नहीं करने देते।

सत्ता के चाटुकार बने पत्रकार

संजय शर्मा ने कहा उनके पास भी दिल और दल बदलने का ऑफर आया था तो उन्होंने कैसे ठुकरा दिया। उन्होंने कहा कि दस साल पहले जो लोग दस जनपथ के आगे पीछे घूमते थे वह आज सत्ता के चाटुकार हो गए हैं। श्री शर्मा ने पत्रकारों का दिल और दल बदलने की कहानी भी सुनाई। वे कौन पत्रकार हैं जो आज दिल और दल बदलने के बाद गनर लेकर घूम रहे हैं।

भाजपाइयों की पहचान, झूठों को काम, झूठों को सलाम : अखिलेश

» सपा प्रमुख बोले- पुलिस भर्ती पेपर लीक मामले की एफआईआर सार्वजनिक करे सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर तंज कसते हुए पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर लीक और गुजरात की कंपनी से इसके कनेक्शन को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि 'भाजपाइयों' की है यही पहचान, झूठों को काम, झूठों को सलाम। आगे उन्होंने कहा कि ये आरोप बेहद गंभीर हैं कि पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर आयोजित करवाने वाली गुजरात की कंपनी का ही, पेपर लीक करवाने में हाथ है और उसका मालिक जब सफलतापूर्वक विदेश भाग गया, उसके बाद ही उत्तर प्रदेश सरकार ने उसके बारे में जनता को बताया और जनता के गुस्से से बचने के लिए दिखाने भर के लिए उस कंपनी को ब्लैकलिस्ट कर दिया।

यूपी सरकार उस कंपनी और उसके मालिक के खिलाफ एफआईआर की कॉपी सार्वजनिक करे। गुजरात भेजकर उसकी संपत्ति से खामियाजा वसूलने की हिम्मत दिखाए। ऐसे आपराधिक लोग यूपी के 60 लाख युवाओं के भविष्य को बर्बाद करने के दोषी हैं। यूपी की भाजपा सरकार साबित करे कि वो इन अपराधियों के साथ है या प्रदेश की जनता के साथ। यूपी में काम करनेवाली हर कंपनी के इतिहास और उसकी सत्यनिष्ठा-गुणवत्ता की जांच की जाए।

दोषी मंत्री और अधिकारियों की तरफ कब मुड़ेगा बुलडोजर

यूपी के आक्रोशित युवा पूछ रहे हैं कि यूपी के बुलडोजर के पास बाहर के राज्यों में जाने का लाइसेंस और साहस है क्या? और ये भी कि जिस मंत्रालय के तहत पुलिस भर्ती परीक्षा हुई थी उसके मंत्री और अधिकारियों की तरफ बुलडोजर मुड़ता भी है या नहीं। यूपी की जनता ये भी याद रखे कि ये वो ही भाजपा सरकार है, जो कल तक ठेके पर पुलिस रखने का फरमान निकाल रही थी. घोर निंदनीय! विभिन्न परीक्षाओं का पेपर लीक होना, सरकार की सत्यनिष्ठा पर सवालिया निशान है।

विस चुनावों में सपा और कांग्रेस एक साथ लड़ेंगे राहुल-खरगे से ही बात करेंगे अखिलेश

हरियाणा और महाराष्ट्र समेत अन्य राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी सपा और कांग्रेस की साझेदारी रहेगी। इस रणनीति के साथ दोनों दल आगे बढ़ रहे हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से गठबंधन पर बात करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ही अधिकृत होंगे, ताकि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव जैसी तल्खी दुबारा पैदा न हो सके। राहुल गांधी ने हाल ही में कहा था कि यूपी के दो लड़के हिंदुस्तान की राजनीति को मोहब्बत की दुकान बनाएंगे-खटाखट-खटाखट। इसे भी इस बात का स्पष्ट संकेत माना जा रहा है कि कांग्रेस अन्य राज्यों के चुनाव में सपा को साथ रखने की इच्छुक है। अखिलेश की पीडीए रणनीति यूपी के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के लिए बेहद फायदेमंद साबित हुई है। इस पीडीए रणनीति का विस्तार अब अन्य राज्यों में भी करने की सोच के साथ आगे बढ़ा जा रहा है। इस साल अक्तूबर में महाराष्ट्र और हरियाणा में चुनाव होने हैं। अगले साल की शुरुआत में दिल्ली और उसके बाद अक्तूबर-नवंबर 2025 में बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं।

युवाओं के जोश को और हाई करेगी कांग्रेस

» नीट के मुद्दे पर जोरदार प्रदर्शन से उत्साहित है पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नीट के मुद्दे को लेकर प्रदेशभर में सड़क पर उतरी कांग्रेस ने अपना नया रूप दिखाया है। संघर्ष का रास्ता अख्तियार कर वह नई सियासी पारी के लिए बेताब भी दिखी। इस आंदोलन के बहाने कांग्रेस अरसे बाद विपक्ष की मुख्य भूमिका में भी नजर आई। प्रदेश में कांग्रेस के सिर्फ दो विधायक हैं। लोकसभा चुनाव में उसे छह सांसद मिल गए हैं।

कांग्रेस के पास जुझारू पहचान वाले अजय राय जैसे प्रदेश अध्यक्ष हैं तो अजय राय की टीम में उपाध्यक्ष दिनेश सिंह, संगठन महासचिव के रूप में अनिल यादव, पिछड़ा वर्ग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव, अल्पसंख्यक विभाग के शाहनवाज आलम, सेवादल के प्रमोद पांडेय सहित तमाम युवा और वैचारिक आंदोलन से निकले नेता हैं। इन सभी की एकजुटता साफ दिखी। नीट को लेकर विधानसभा घेराव के दौरान तमाम ऐसे भी कांग्रेसी दिखे, जो कई साल से आंदोलनों से दूर रहे हैं। बड़ी संख्या में महिलाएं भी आंदोलन में शामिल हुईं। कांग्रेस जनता के लिए सड़क पर संघर्ष के लिए तैयार है। पिछले कुछ समय से कांग्रेस से विभिन्न दलों के लोग जुड़ रहे हैं। यह सिलसिला तेज होगी, जो कांग्रेस की ताकत को बढ़ाएगा। वह कहते हैं कि उत्तर प्रदेश में लंबे समय से युवाओं के हक को लेकर सड़क पर संघर्ष नहीं हो रहा है।

नीट पेपर लीक मामले में मुख्य आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए : मायावती

» बोलीं- इस मुद्दे पर सियासत करना ठीक नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने शुक्रवार को मांग की कि नीट पेपर लीक मामले में मुख्य आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सरकार को नीट पेपर लीक मामले के मुख्य आरोपियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, क्योंकि इसकी वजह से निर्दोष छात्र पिस रहे हैं।

प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पेपर लीक की आड़ में सियासत करना ठीक नहीं है। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2024 पांच मई को 4,750 केंद्रों पर आयोजित की गई थी जिसमें लगभग 24 लाख अभ्यर्थियों ने भाग लिया था। इस परीक्षा का परिणाम 14 जून को घोषित किए जाने की उम्मीद थी, लेकिन परिणाम चार जून को ही घोषित दिए गए थे क्योंकि उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पहले ही पूरा हो गया था। सरकारी और निजी कॉलेजों के एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए नीट-यूजी का आयोजन देशभर में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा कराया जाता है।

महाराष्ट्र-सीईटी पेपर में भी हुई धांधली: आदित्य ठाकरे

» यूबीटी शिवेसना नेता की मांग- छात्रों को बताएं अंक और उन्हें उत्तर पुस्तिकाएं दें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने हाल ही में आयोजित महाराष्ट्र संयुक्त प्रवेश परीक्षा (एमएच-सीईटी) में पारदर्शिता लाने पर जोर देते हुए मांग की कि छात्रों को उनके अंक बताए जाएं तथा उन्हें उनकी उत्तर पुस्तिकाएं भी दी जाएं। ठाकरे ने कहा कि सीईटी अजीब तरीके से आयोजित की गई थी और दो पेपर की परीक्षाएं 10 बैच में आयोजित की गई थीं। उन्होंने कहा कि इनमें से एक पेपर की परीक्षा 24 बैच में आयोजित की गई।

उन्होंने कहा, हम मांग करते हैं कि छात्रों को उत्तर पुस्तिकाएं दिखाई जाएं और उन्हें उनके अंक बताए जाएं। इस मामले में टॉपर की भी घोषणा की जानी चाहिए। यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द किए जाने और नीट में अनियमितताओं के

आरोपों का जिक्र करते हुए ठाकरे ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य की सरकारों ने छात्रों के भविष्य को बर्बाद करने का फैसला कर लिया है। महाराष्ट्र-सीईटी महाराष्ट्र सरकार द्वारा आयोजित की जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य इंजीनियरिंग, प्रबंधन, फार्मेसी, कृषि, कानून, चिकित्सा, आयुष और ललित कला जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया को सुगम बनाना है।

छात्रों ने 1,425 आपत्तियां जताईं

ठाकरे ने दावा किया कि प्रश्नपत्रों में 54 गलतियां थी और छात्रों ने 1,425 आपत्तियां जताईं। पूर्व मंत्री ने कहा कि छात्रों के परिणाम परसेंटाइल के रूप में घोषित किए गए। उन्होंने कहा, 'एक पेपर की परीक्षा 24 बैच में आयोजित की गई। ऐसे उदाहरण हैं कि कुछ पेपर कठिन थे, जबकि अन्य आसान थे। जिन्होंने कम अंक प्राप्त किए हैं उन्हें अधिक परसेंटाइल मिला है और जिन्होंने अधिक अंक प्राप्त किए हैं उन्हें कम परसेंटाइल मिला है। ठाकरे ने कहा कि परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी के प्रमुख को अभी तक निलंबित क्यों नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि परसेंटाइल गलत तरीके से तैयार किया गया था।

भाजपा के राज में पेपर लीक राष्ट्रीय समस्या बना : प्रियंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी के शासन में पेपर लीक होना राष्ट्रीय समस्या बन गया है और सत्तारूढ़ पार्टी का भ्रष्टाचार देश को कमजोर कर रहा है। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, देश में पिछले 5 सालों में 40 भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं। भाजपा राज में पेपर लीक हमारे देश की राष्ट्रीय समस्या बन गया है जिसने अब तक करोड़ों युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा, भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। सबसे ज्यादा युवा आबादी हमारे पास है।

भाजपा की सरकार हमारे इन युवाओं को कुशल और सक्षम बनाने की जगह उन्हें कमजोर बना रही है। कांग्रेस नेता ने कहा, करोड़ों होनहार छात्र दिन-रात

मेहनत से पढ़ाई करते हैं, अलग-अलग परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, माता-पिता, तन-पेट काटकर पढ़ाई का बोझ उठाते हैं। बच्चे सालों तक रिक्तियां आने का इंतजार करते हैं। भर्ती आती है तो फॉर्म भरने का खर्चा, परीक्षा देने जाने का खर्चा, और अंत में सारा प्रयत्न भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा का भ्रष्टाचार देश को कमजोर कर रहा है।

बामुलाहिजा
कार्टून: हसन जैदी

बिहार से लेकर महाराष्ट्र तक आरक्षण पर सियासत

चुनावों में बनेंगे बड़े मुद्दे, विस में होगा असर

मराठा राज्य में ओबीसी आरक्षण को लेकर आंदोलन जारी

» पटना हाईकोर्ट के फैसले के बाद राजद व जदयू में रार

» बिहार में मुरेठा मैन का नया दांव कहीं पड़ न जाए उल्टा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार, यूपी हो या महाराष्ट्र या यू कहें पूरे देश में आरक्षण को लेकर बयान आते रहते हैं सियासत होती रहती है। अभी चुनावों में हर सियासी दल ने आरक्षण को लेकर खूब प्रचार किया। इंडिया गठबंधन ने बीजेपी पर आरक्षण को खत्म करने का आरोप लगाते हुए पूरे चुनाव का रूख ही पलट दिया। उधर महाराष्ट्र में भी मराठा चुनाव को लेकर बीजेपी गठबंधन को मुंह की खानी पड़ी। अब चुनाव के बाद फिर आरक्षण का मुद्दा गरमा गया है। अबकि बार आरक्षण का मामला बिहार से आ रहा हे जहां पर अभी कुछ दिन पहले हाईकोर्ट ने आरक्षण की सीमा 65 प्रतिशत से कम करने को कहा है।

इसको लेकर जहां राजद बिहार के सीएम नीतीश कुमार व बीजेपी हमलावर है वही वहां उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी इस फैसले के खिलाफ बड़ी अदालत में जाने की बात कह कर वहां की सियासत गरमा दी है। सूत्रों की माने तो उनके इस बयान से सर्वण जाति के वोटरों में गुस्सा बढ़ सकता है और इसका असर आगामी विधान सभा चुनाव पर पड़ सकता है। खैर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी है पर इसमें कोई शक नही कि आने वाले समय में आरक्षण बड़ा व महत्वपूर्ण मुद्दा बना रहेगा। वहीं बिहार के मुरेठा मैन के नाम से मशहूर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने नया दांव चलने की कोशिश की है। दरअसल 20 जून 2024 को बिहार सरकार के 65 फीसदी आरक्षण वाले फैसले को पटना हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया। इस आदेश के बाद बिहार सरकार का बनाया गया बिल औंधे मुंह जा गिरा। ये अलग बात है कि बिहार विधानमंडल से जब ये बिल पारित होकर राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के पास गया तब बिहार में नीतीश-तेजस्वी की सरकार थी। अब फैसले को रद्द किए जाने के बाद डेप्युटी सीएम सम्राट चौधरी ने सुप्रीम कोर्ट जाने की बात कही है। बिहार के पॉलिटिकल एक्सपर्ट के मुताबिक चुंकि इंदिरा साहनी केस में 1992 में सुप्रीम कोर्ट का जजमेंट एक लैंडमार्क जजमेंट है कि हम आरक्षण का कोटा 50 फीसदी से ज्यादा नहीं बढ़ा सकते हैं। मराठा आरक्षण पर भी सुप्रीम कोर्ट का भी यही रुख था। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के जजमेंट के बाद सुप्रीम कोर्ट में जाने का अधिकार तो है, लेकिन एक बार सुप्रीम कोर्ट जो फैसला लेती है, आगे जाकर भी उससे पीछे नहीं हटती है।

महाराष्ट्र चुनाव से पहले ओबीसी आरक्षण पर शिंदे सरकार की बढ़ी मुश्किल

महाराष्ट्र में आरक्षण की लड़ाई खत्म होती नहीं दिख रही है। ओबीसी आरक्षण बचाने के लिए भूख हड़ताल पर बैठे पिछड़ा वर्ग के कार्यकर्ता लक्ष्मण हाके अब राज्य में आरक्षण आंदोलन का नया चेहरा बनकर उभरे हैं। लक्ष्मण हाके साफ किया है कि वह तब तक अनशन खत्म नहीं करेंगे जब तक कि सरकार यह आवश्वासन नहीं देती है कि वह ओबीसी के मौजूदा आरक्षण से कोई छेड़छाड़ नहीं करेगी। लक्ष्मण हाके अपने सहयोगी नवनाथ वाघमारे के साथ जालना में अनशन पर बैठे हैं। लक्ष्मण हाके से अभी तक वंचित बहुजन आघाडी के प्रमुख प्रकाश आंबेडकर के साथ महाराष्ट्र सरकार में मंत्री अतुल सावे, उदय सामंत और गिरीश महाजन तथा विधान परिषद के सदस्य गोपीचंद पडलकर मुलाकात कर चुके हैं। हाके जालना जिले के वाडीगोद्री गांव में भूख हड़ताल पर हैं। हाके ने 13 जून को अनशन शुरू किया था। इससे पहले महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण आंदोलन की अगुवाई करते मनोज जारांगे पाटिल सुर्खियों में आए थे। उनके मुंबई कूच से सरकार हिल गई थी। तब उनके साथ आ रहे जनसमूह को रोकने के लिए सीएम एकनाथ शिंदे खुद नवी मुंबई में पहुंचे थे।

फैसले का पड़ेगा मतदाताओं पर असर

मुजफ्फरपुर के कुढ़नी में सवर्ण वोटरों ने उपचुनाव में बीजेपी को पानी पिला दिया। तब जाकर दिल्ली तक इसकी तपिश महसूस की गई। लंबा मंथन चला। नहीं तो विजय कुमार सिन्हा को उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की दूसरी कोई वजह समझ नहीं आती। लेकिन सम्राट चौधरी के साथ एक दिक्कत यही है कि वो बगैर पार्टी में बाकी नेताओं से राय बनाए बगैर फटंफुट पर खेल जाते हैं। कुछ जगहों पर उन्हें फायदा मिलता तो है लेकिन ज्यादातर जगहों पर उन्हें नुकसान हो जाता है। लोकसभा चुनाव 2024 इसका गवाह भी बन चुका है। ऐसे में कहीं सवर्ण वोटर सम्राट के चलते बीजेपी से भड़के तो 2025 का विधानसभा चुनाव तो अभी बाकी ही है।

जरांगे की राह पर लक्ष्मण हाके

लक्ष्मण हाके मराठा आंदोलन के अगुवा जरांगे की राह पर चल रह हैं। कुछ समय पहले तक 46 साल के लक्ष्मण हाके पुणे के फेर फर्ग्यूसन कॉलेज में प्रोफेसर थे। अब वे राज्य सरकार से मांग कर रहे हैं कि मराठा समुदाय को शिक्षा और रोजगार में आरक्षण देने में ओबीसी कोटे को नहीं छुआ जाएगा। लक्ष्मण हाके धनगर समुदाय से आते हैं। वह सोलापुर के जुजारपुर गांव के रहने वाले हैं। मराठी साहित्य में मास्टर डिग्री हासिल करने के बाद वह शिक्षण के पेशे में चले गए थे। अभी तक लक्ष्मण हाके की पहचान एक ओबीसी कार्यकर्ता की थी, लेकिन उनकी भूख हड़ताल ने उन्हें ओबीसी नेता बना दिया है। महाराष्ट्र के सत्ता पक्ष और विपक्षी दलों के नेता उनसे भूख हड़ताल खत्म करने का आग्रह कर रहे हैं। हाके ने पुणे के कॉलेज में 2003 में प्रोफेसर के तौर पर सेवा शुरू की थी, लेकिन पांच साल बाद उन्होंने इस पेशे को छोड़ दिया था। हाके की पत्नी विद्या पुणे के वीआईटी कॉलेज में प्रोफेसर हैं। प्रोफेसर बनने से पहले वह गन्ना कटाई का काम भी कर चुके हैं। जनवरी 2021 में स्थानीय निकाय चुनावों के लिए ओबीसी आरक्षण को सुप्रीम कोर्ट द्वारा रद्द किए जाने के बाद हेक को महाराष्ट्र राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के नौ सदस्यों में से एक नियुक्त किया गया था। इसके बाद उन्होंने मराठा समुदाय को आरक्षण प्रदान करने के लिए एक रिपोर्ट तैयार करने में राज्य सरकार के हस्तक्षेप का आरोप लगाते हुए पिछले साल दिसंबर में दो अन्य सदस्यों के साथ पद से इस्तीफा दे दिया था।

कई आंदोलनकर्ता लड़ चुके हैं चुनाव

2019 लक्ष्मण हाके शिवसेना के शाहजी बापू पाटिल के खिलाफ बहुजन विकास अघाडी (बीवीए) उम्मीदवार के रूप में संगोला से चुनाव लड़े थे। उनकी राजनीति में इंट्री काफी नीरस रही थी। तब उन्हें सिर्फ 267 वोट हासिल किए थे। इसके बाद वह अगस्त 2022 में शिवसेना (यूबीटी) में शामिल हो गए थे, लेकिन हाल ही में संपन्न चुनावों में माढा लोकसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़े थे। लक्ष्मण हाके को सिर्फ 5134 वोट मिले थे। चुनाव में उनकी जमानत भी जब्त हो गई थी। वह छठवें नंबर पर रहे थे। इस सीट से शरद पवार की एनसीपी से ल? धैर्यशील मोहिते पाटिल को जीत मिली थी।लक्ष्मण हाके ने 2019 में समुदाय की आवाज को बुलंद करने के लिए ओबीसी संघर्ष सेना नामक एक संगठन बनाया और कई आंदोलन किए थे। तब हाके ने कहा था कि महात्मा फुले, छत्रपति शाहू महाराज और बाबासाहेब अंबेडकर आपके आरक्षण को बचाने के लिए वापस नहीं आएंगे। इसके खुद बचाना होगा। राजनीति के मैदान में दो शिकस्त झेल चुके। लक्ष्मण हाके अब अपनी भूख हड़ताल की वजह से सुर्खियों में आ गए हैं। हाके को राज्य के ओबीसी नेताओं का समर्थन मिल रहा है।

सवर्ण वोटर जाति को नहीं बल्कि एक धारा को समर्थन देते हैं

जहां तक रही सवर्ण वोट बैंक की बात तो ये विचारधारा के आधार पर पार्टियों को मिलती रही है, न कि जातीय गुणा-भाग के आधार पर। जब अदालतों को पूरा देश पूजता है, वहां पर उनके निर्णय पर सवाल उठाना कहीं से भी उचित नहीं माना जाएगा। वोटरों की नजर में भी इसका खराब असर ही पड़ेगा। एक बात फिर से जान लीजिए कि सवर्ण वोटर शुरू से सिद्धातों की राजनीति करते आया है और अगर अगर समर्थन दिया है तो विचारधारा को न कि जात-पात को।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

पेपर लीक पर कब करेंगे चर्चा!

यह कोई छोटी-मोटी बात नहीं इससे लाखों युवाओं को भविष्य जुड़ा है जो भारत को विश्व फलक पर पहुंचाने का माद्दा रखते हैं। ऐसे गंभीर मुद्दे पर देश के प्रधानमंत्री का इस तरह से मौन रहना कई सवाल खड़े करता है। वो भी ऐसे व्यक्ति का इस तरह से शांत रहना और अचंभित करता है जो समय-समय पर परीक्षा पर चर्चा जैसे कार्यक्र म में अपने विचार परीक्षार्थियों से साझा करते हैं।

नीट मामले को सुर्खियों में रहते लगभग 15 दिन से ज्यादा हो गए हैं। वहीं यूजीसी-नेट की परीक्षा रद करने के फैसले के भी लगभग 3 दिन हो गए हैं। कोर्ट से लेकर सियासी दल तक इस मुद्दे को लेकर एनडीए की मोदी सरकार को घेर रहे हैं। यह कोई छोटी-मोटी बात नहीं इससे लाखों युवाओं को भविष्य जुड़ा है जो भारत को विश्व फलक पर पहुंचाने का माद्दा रखते हैं। ऐसे गंभीर मुद्दे पर देश के प्रधानमंत्री का इस तरह से मौन रहना कई सवाल खड़े करता है। वो भी ऐसे व्यक्ति का इस तरह से शांत रहना और अचंभित करता है जो समय-समय पर परीक्षा पर चर्चा जैसे कार्यक्रम में अपने विचार परीक्षार्थियों से साझा करते हैं। दरअसल, मोदी सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति तो ले आई लेकिन आप शिक्षा मंत्रालय के तमाम फैसलों को देखेंगे तो ऐसा प्रतीत होगा कि इस सरकार की कोई शिक्षा नीति है नहीं बस मंत्री और अधिकारी प्रयोग पर प्रयोग किये जा रहे हैं जिसका खामियाजा छात्रों को भुगतना पड़ रहा है।

एक के बाद एक लीक होती परीक्षाओं के चलते देशभर में छात्रों और अभिभावकों का गुस्सा उबाल ले रहा है। सवाल उठ रहा है कि यह कैसा तंत्र है जो प्रश्नपत्रों को लीक होने से नहीं रोक पा रहा है? सवाल उठ रहा है कि प्रश्नपत्र लीक होने पर परीक्षा रद्द कर देने और सीबीआई जांच बिठा देने से ही क्या छात्रों के समय और पैसे की बर्बादी रुक जायेगी? सवाल उठ रहा है कि क्या देश में परिश्रम, योग्यता और प्रतिभा के आधार पर कभी समान अवसर सुनिश्चित हो पाएंगे? हम 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की बात कर रहे हैं और प्रश्नपत्र लीक करने वाले माफियाओं पर नकेल नहीं कस पा रहे हैं? मंत्रियों की जबान से देखते हैं, सख्त कार्रवाई करेंगे, किसी को बख्शा नहीं जायेगा जैसे बयान सुन सुन कर अब लोग ऊब चुके हैं। बड़े-बड़े एसी कमरों में बैठने वाले मंत्रियों और अधिकारियों को शायद पता नहीं है कि बच्चों को परीक्षा की तैयारी कराने के लिए महंगे-महंगे कोचिंग सेंटरों में भेज कर मोटी फीस और ट्यूशन फीस पर लगने वाला भारी भरकम जीएसटी देते देते अभिभावकों की कमर टूट जाती है, लेकिन सरकार सिर्फ सख्त कार्रवाई का आश्वासन देकर चुप्पी साध लेती है? यह आश्चर्यजनक स्थिति है कि हम सर्जिकल और एअर स्ट्राइक के माध्यम से दुश्मन को उसके घर में घुस कर मारते हैं लेकिन अपने छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को सख्त सजा नहीं दिलवा पा रहे हैं। बता दें कि मोदी सरकार के आने से पहले तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं को आयोजित कराने के लिए विभिन्न संस्थान थे, लेकिन उन सबको एक प्लेटफॉर्म पर लाते हुए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की स्थापना कर दी गयी। परन्तु यह एजेंसी अपने आरम्भकाल से ही विवादों में रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर साल छात्रों के साथ परीक्षा पे चर्चा तो करते हैं लेकिन सवाल उठता है कि वह पेपर लीक मुद्दे पर अपने मंत्रियों या अधिकारियों से चर्चा क्यों नहीं करते?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विनम्रता का पाठ भी तो पढ़ें सत्ताधीश

विश्वनाथ सचदेव

महात्मा गांधी की हत्या के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर देश में प्रतिबंध लगा दिया गया था। फिर तत्कालीन गृह मंत्री सरदार पटेल ने इस शर्त के साथ प्रतिबंध हटाया था कि संघ राजनीतिक गतिविधियों में हिस्सा नहीं लेगा। तब से लेकर अब तक गंगा में बहुत-सा पानी बह चुका है। वह प्रतिबंध कब और कैसे हटा, अब उसकी बात भी नहीं होती। जनसंघ के जमाने से भाजपा तक की यात्रा में देश ने संघ की राजनीतिक भूमिका को स्पष्ट देखा है। जहां तक भाजपा के सत्ता में आने का सवाल है, संघ की भूमिका किसी से छिपी नहीं है। सब जानते हैं कि भाजपा संघ की राजनीतिक शाखा के रूप में ही विकसित हुई है। यह बात दूसरी है कि अब भाजपा का नेतृत्व अपनी स्वतंत्र सत्ता को मजबूत बनाना चाह रहा है। पार्टी के वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने तो इस बार के चुनाव में स्पष्ट घोषणा कर दी थी कि अब भाजपा को संघ की बैसाखी की आवश्यकता नहीं है।

बहरहाल, यह बात दूसरी है कि संघ की महत्ता को नकारने वाले भाजपा नेतृत्व को चुनाव के आखिरी दौर तक पहुंचते-पहुंचते यह समझ आने लगा था कि उससे गलती हो गयी। पर तब तक बहुत देर हो चुकी थी। संघ के नेतृत्व ने भी यह बताने-जताने में देरी नहीं की कि पार्टी के नेतृत्व का 'घमंड' उसके पराभव का कारण बनेगा। आरएसएस के सर संघचालक मोहन भागवत ने तो हाल ही में अपने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यह स्पष्ट कह दिया है कि आम-चुनाव में भाजपा को अपेक्षित विजय न मिलने का कारण भाजपा के शीर्ष-नेतृत्व का घमंड ही है। उन्होंने अपने संबोधन में भाजपा या शीर्ष-नेतृत्व का नाम भले ही न लिया हो, पर किसी से यह छिपा नहीं रहा कि उनका आशय प्रधानमंत्री मोदी के तौर-तरीके से है। यह सही है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने लोकसभा में लगातार तीसरी बार विजय प्राप्त की है, लेकिन सही यह भी है कि प्रधानमंत्री मोदी को सन् 2014 में जितना जन-समर्थन मिला था उसकी तुलना में इस बार मिला समर्थन कहीं कम है।

दस साल पहले भाजपा के सांसदों की संख्या 282 थी, जबकि 2024 में यह संख्या घटकर 240 रह गयी है। इसमें कोई संदेह नहीं शासन के समय के साथ सत्ता विरोधी लहर का असर पड़ता है, पर 350 सीटों पर विजय का दम भरने वाले दल को पूर्ण बहुमत भी न मिल पाना यह भी बताता है कि 'एक अकेला सब पर भारी' का दावा करने वाले नेतृत्व पर सत्ता का नशा भी छाने लगा था। संघ के सर्वोच्च नेता मोहन भागवत ने इसी नशे की ओर इशारा करते हुए भाजपा को चेतावनी दी है। रामचरितमानस में एक चौपाई है- 'नाहीं कोऊ जन्मियो जग माही, प्रभुता पाय जाही मद नहीं'। अर्थात प्रभुता का नशा किस पर नहीं चढ़ता। दुनिया के तमाम देशों का इतिहास साक्षी है कि सत्ता के घमंड ने बड़े-बड़ों को आईना दिखाया है। इसलिए आदर्श शासक से यह अपेक्षा की जाती है कि वह विनम्रता के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करेगा। यूं कहने को हर शासक स्वयं को 'सबसे बड़ा सेवक' अथवा 'चौकीदार' कहता है, पर हमने देखा है कि इस ओढ़ी हुई विनम्रता का सच अंतत: उजागर हो ही जाता है। यह कहना तो सही नहीं होगा कि सिर्फ घमंड के कारण भाजपा को इस बार अपेक्षित सफलता नहीं मिली, पर इसमें कोई संदेह नहीं कि अब 'हमें संघ की मदद की आवश्यकता नहीं रही' जैसी भावना मन में आना भी भाजपा की वर्तमान स्थिति का एक बड़ा कारण है। इस तरह का घमंड किसी भी शासक को कमजोर ही बनाता है। अपने ही देश में हमने इंदिरा गांधी को सत्ता के शीर्ष से लुढ़कते देखा है। यह प्रभुता का मद ही था जिसने उन्हें देश में आपातकाल लागू करने की बुद्धि दी। 'इंदिरा इज इंडिया' जैसा नारा देने वाले उनके अनुयायियों ने ही संभवत: उन्हें यह अहसास कराया था कि वे सर्व शक्तिशाली हैं! यह अच्छी बात है कि उनका सत्ता का नशा जल्दी ही उतर गया और उन्होंने चुनाव की घोषणा करके जनतंत्र को फिर से पटरी पर ला दिया। सरसंघचालक भागवत का यह घमंड वाला बयान भी हमारे शासकों को यह चेतावनी देने वाला है कि वह राज करने के लिए नहीं, शासन व्यवस्था चलाने के लिए चुने जाते हैं।

भागवत के बयान के पीछे भाजपा द्वारा संघ की अनदेखी करना भी एक कारण हो सकता है, लेकिन इसके पीछे के इस भाव को भी समझा जाना चाहिए कि सत्ता में बैठने वालों को विनम्रता का पाठ भी पढ़ना होता है। भागवत ने यह कहना भी जरूरी समझा कि चुनाव-प्रचार के दौरान जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया गया वह भी विनम्रता और शालीनता की कसौटी पर खरी नहीं उतरती। भले ही वह समूचे राजनीतिक नेतृत्व का हवाला देने लगें, पर हकीकत छिपी नहीं है कि उनका संकेत मुख्यत: किस ओर था। नि:संदेह, आरोप-प्रत्यारोप लगाना स्वाभाविक है, शब्द कुछ कटु भी हो सकते हैं, पर दुश्मन और प्रतिपक्षी के अंतर को समझना जरूरी है।

जीवाश्म ईंधन खपत में कमी ही बढ़ते ताप का समाधान

ज्ञानेन्द्र रावत

नौतपा को विदा हुए करीब 15 दिन बीत चुके हैं लेकिन देश के उत्तरी राज्य अभी भी भीषण गर्मी से तप रहे हैं। महीनेभर से भी ज्यादा समय से अधिकतम तापमान 40 डिग्री से ऊपर बना है। राजस्थान के जैसलमेर में इस दौरान पारा 55 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया जबकि दिल्ली में पिछले 80 साल का और पंजाब में 46 साल का रिकॉर्ड तोड़ चुका है। इस बीच दिल्ली पारे की सीमा 52.9 तक पार कर चुकी है। यही स्थिति कमोबेश देश के सभी उत्तरी राज्यों की है। गर्मी के चलते दिन में बाजारों में सन्नाटा पसरा रहता है। सड़कों पर रेहड़ी पटरी वाले ग्राहकों को तरस गये हैं। बाजार में भी ग्राहक कम हैं। गर्मी की मार से पहाड़ और मैदानी इलाके कोई भी अछूते नहीं। इस बार तो गर्मी ने पहाड़ों पर भी रिकार्ड तोड़ दिया है। दिन के साथ ही रातें भी गर्मी की मार से तप रही हैं। इतिहास में पहली बार हम वैश्विक गर्मी की यह भयावहता देख रहे हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार अगले पांच साल में पहली बार वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने के 66 फीसदी आसार हैं।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार वैश्विक तापमान की सीमा छूने का अर्थ है कि विश्व 19वीं शताब्दी के दूसरे हिस्से के मुकाबले अब 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म है। दुनिया में तापमान में हो रही बेतहाशा बढ़ोतरी भयावह खतरे का संकेत है। जलवायु परिवर्तन और अलनीनो ने इसमें अहम भूमिका निभाई है। यह सब कोयला, तेल और गैस के जलाने की सभी सीमाएं पार करने का दुष्परिणाम है। फिर बीते सालों की रिकॉर्ड तोड़ प्राकृतिक घटनाओं को देखते हुए जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से निपटने में तत्परता से कारगर कदम उठाने में वैश्विक समुदाय उतना सजग नहीं दिखता जितना होना चाहिए।

अमेरिका की पर्यावरण संस्था ग्लोबल विटनेस और कोलंबिया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने खुलासा किया है कि तेल और गैस का अत्यधिक मात्रा में उत्सर्जन वह अहम कारण है जिसके चलते उत्सर्जन स्तर यदि 2050 तक यही रहा तो 2100 तक गर्मी अपने घातक स्तर तक पहुंच जायेगी। दुनिया की करीब 81 फीसदी आबादी भीषण गर्मी झेलने को विवश है। अमेरिका में भी यही हाल है जिसने माना है कि गर्मी के भीषण हालात से मरने वाले बीते दशक में दोगुने से भी ज्यादा हो गये हैं। इंसान तो इंसान, पेड़-पौधे भी बढ़ते तापमान के बीच सांस नहीं ले पा रहे हैं। बोस्टन, कोलंबिया व विश्व मौसम विज्ञान संगठन के वैज्ञानिकों ने चेताया है कि इस गर्मी भुखमरी, सूखे और जानलेवा बीमारियों का खतरा बढ़ेगा। धरती का बढ़ता तापमान और उसकी वजह से पैदा होने वाली हीटवेव हृदय के लिए खतरनाक साबित हो रही है। हर एक डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी के साथ हृदय रोगियों की मौत का खतरा बढ़ता जा रहा है। वजह यह कि अत्यधिक गर्मी से शरीर की थर्मोरेगुलेटरी प्रणाली चरमरा सकती है। दरअसल, लम्बे समय तक अधिक तापमान में रहने से शरीर का थर्मल सिस्टम फेल हो जाता है। शरीर का तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला जाये तो मैटाबोलिज्म पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

उस स्थिति में ब्रेन डैमेज हो जाता है, मौत का खतरा बढ़ जाता है। ज्यादा पसीना बहने का असर स्किन, किडनी, हृदय और ब्रेन पर पड़ता है। बढ़ता तापमान माइग्रेन के रोगियों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। इससे उन्हें माइग्रेन अटैक का खतरा बढ़ जाता है। तापमान में बढ़ोतरी का असर समय पूर्व जन्म दर में बढ़ोतरी के रूप में होगा। यह खतरा 60 फीसदी तक बढ़ जायेगा। दरअसल, यह खतरा बच्चों में श्वसन संबंधी बीमारियों सहित कई हानिकारक स्वास्थ्य प्रभावों के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार होगा। तेज गर्मी बच्चों के दिमाग को कमजोर कर रही है। एक अध्ययन के अनुसार संकेत मिले हैं कि जब बच्चे गर्भावस्था या शुरुआती बचपन के दौरान गर्मी के संपर्क में आते हैं तो उनके दिमाग में माइलिनेशन यानी सफेद पदार्थ का स्तर कम होता है। इससे मस्तिष्क में न्यूरोलॉजिकल तंत्र पर प्रभाव पड़ता है। यानी गर्मी से शरीर का कोई अंग प्रभावित हुए नहीं रहा है। इसके साथ ही गर्मी के बढ़ते प्रभाव से खाद्यान्न आपूर्ति पर संकट बढ़ जायेगा। इससे फसलों की कटाई, फलों का उत्पादन और डेयरी उत्पादन सभी दबाव में हैं।

बाढ़, सूखा और तूफान की बढ़ती प्रवृत्ति ने इसमें और इजाफा किया। वाशिंगटन में सेंटर फार स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के खाद्य विशेषज्ञ कैटलिन वैल्श की मानें तो इन मौसमी घटनाओं की वजह से उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया के बड़े हिस्से के किसान मुश्किल में हैं। दक्षिणी यूरोप में गर्मी के कारण गायें दूध कम दे रही हैं। इटली में अंगूर, खरबूजा, सब्जियां और गेहूं उत्पादन तक प्रभावित हुआ है। वहीं मछलियों का आवास भी प्रभावित हुए बिना नहीं रहा है। इससे उनकी संख्या में तेजी से गिरावट आ रही है। इससे बहुतेरी प्रजातियों के खत्म होने का खतरा बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र की जलवायु समिति के अनुसार यदि धरती के तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस पर रोकना है तो 2030 तक कार्बन उत्सर्जन को 43 फीसदी तक घटाना होगा। धरती के गर्म होने की रफ्तार अनुमान से कहीं ज्यादा है। आज धरती 1.7 डिग्री सेल्सियस तक गर्म हो चुकी है। दरअसल, समस्या की असली जड़ जीवाश्म ईंधन है जिससे हमें दूर जाने की बेहद जरूरत है।

खुले करियर के नए द्वार

5जी तकनीक आने से भारत के युवाओं को कई रूपों में फायदे हो रहे हैं। अच्छी तकनीकी शिक्षा दी जा सकेगी। इससे समय पर इंडस्ट्री के साथ कनेक्ट करके रोजगार पाने में मदद मिल सकेगी। इसका सबसे ज्यादा फायदा ग्रामीण क्षेत्रों के उन युवाओं को हो रहा है, जो तेज इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध न होने के कारण बहुत सारी सुविधाओं से वंचित रह जाते थे। जाहिर है, जब युवाओं की अच्छी स्किलिंग होगी, तो रोजगार के नये द्वार भी खुलेंगे।

टेलीकाम सेक्टर में हैं जॉब के बेशुमार मौके

केंद्र सरकार 5जी सेवा का विस्तार करने के लिए बुनियादी ढांचा बढ़ाने और ज्यादा से ज्यादा टावर लगाने पर काफी जोर दे रही है। देश में 5जी सेवाएं शुरू होने के बाद अब 5जी कम्युनिकेशन और इंटरनेट में काफी उछाल आ रहा है। वैसे अगर आंकड़ों को देखें, 5जी स्मार्टफोन की बिक्री भी कई गुना बढ़ गई है। इस तकनीक से सिर्फ आपके स्मार्टफोन को इस्तेमाल करने का अनुभव ही नहीं बदलने वाला है, बल्कि आटोमोबाइल, मैन्युफैक्चरिंग, हेल्थकेयर और शिक्षा समेत देश के विभिन्न सेक्टर भी इसे तेजी से अपनाने के लिए आगे आ रहे हैं। भारत में 5जी सब्सक्रिप्शन इस साल के अंत तक 13 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है, जो 2029 तक बढ़कर 86 करोड़ होने का अनुमान है। वहीं 2029 के अंत तक भारत में मोबाइल सब्सक्रिप्शन में 5जी सब्सक्रिप्शन का हिस्सा 68 प्रतिशत होने का अनुमान है।

आकर्षक पैकेज

टेलीकाम सेक्टर में हमेशा से युवाओं को अच्छी सैलरी मिलती रही है। यहां टेलीकाम इंजीनियर के रूप में शुरुआत में 40 से 50 हजार रुपये तक आराम से सैलरी मिल जाती है। गैर तकनीकी पृष्ठभूमि के प्रोफेशनल्स भी यहां शुरुआत में 20-25 हजार रुपये पा जाते हैं।

प्रमुख संस्थान

आइआइटी खड़गपुर
बीआइटी मेसरा, रांची
एनआइईटी, ग्रेटर नोएडा
भारती स्कूल आफ टेलीकाम टेक्नो. एंड मैनेजमेंट, दिल्ली

प्रशिक्षण लैब खोलने पर जोर

आने वाले दिनों में 5जी तकनीक में प्रशिक्षित मैनपावर की जरूरत को देखते हुए टीएसएससी के अलावा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के नेशनल स्किल्ड डेवलपमेंट कारपोरेशन की ओर से भी इस दिशा में कई कदम उठाए जा रहे हैं। देश में प्रशिक्षित पेशेवरों की मांग और आपूर्ति के इस बड़े अंतर को पाटने के लिए पूरे देश में करीब 50 ट्रेनिंग लैब खोलने की तैयारी है, जहां 5जी तकनीक की जरूरतों के अनुसार युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि बड़ी संख्या में स्किल्ड मैनपावर को तैयार किया जा सके। दरअसल, अभी शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक 5जी तकनीक की कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए अलग से बुनियादी ढांचे की आवश्यकता है।

समझें इंडस्ट्री की जरूरत

टेलीकम्युनिकेशन और इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन में तकनीकी शिक्षा हासिल कर रहे युवाओं को चाहिए कि वे कोर्स की पढ़ाई के साथ बदलती तकनीकों व इंडस्ट्री की जरूरतों को समझते हुए अधिक से अधिक प्रैक्टिकल जानकारी हासिल करने पर जोर दें। इसके लिए लैब में अधिक समय बिताएं। इंडस्ट्री के आने वाले प्रोफेशनल्स की सीख पर ध्यान दें।

क्या हो योग्यता

टेलीकाम सेक्टर में टेक्निकल और नान-टेक्निकल दोनों तरह के पेशेवरों के लिए अवसर हैं। अगर आपने टेलीकम्युनिकेशन से संबंधित कोई उच्च तकनीकी कोर्स कर रखा है, तो टेलीकाम सिस्टम साल्युशन इंजीनियर, टेलीकाम साफ्टवेयर इंजीनियर, कम्युनिकेशन इंजीनियर, नेटवर्क इंजीनियर जैसे पदों पर नौकरी मिल सकती है। वहीं, अगर नान-टेक्निकल पृष्ठभूमि से हैं, तो आपरेशन, इंस्टालेशन या मेंटिनेंस जैसे विभागों में अपनी कुशलता बढ़ाकर एग्जीक्यूटिव, सुपरवाइजर, टेक्निकल असिस्टेंट तथा मैनेजर जैसे जाब पा सकते हैं।

हंसना मना है

शादी में दुल्हन का बॉयफ्रेंड भी आया था... दुल्हन के पिता- आप कौन हैं? बॉयफ्रेंड- जी मैं सेमी फाइनल में फेल हो गया था, फाइनल देखने आया हूं।

पप्पू पिंकी से- एक ही कपड़े पहनकर रोज घूमती हो, अजीब नहीं लगता? पिंकी- यह मेरी ऑफिस यूनिफार्म है बेरोजगार आदमी।

बॉयफ्रेंड- मैं हनीमून पर तुम्हें शिमला ले जाऊंगा। गर्लफ्रेंड- सच में? बॉयफ्रेंड- हां गर्लफ्रेंड- पहली Wedding Anniversary पर कहां ले जाओगे? बॉयफ्रेंड- तब शिमला से वापस लाऊंगा।

संता एक बैंक में गया और बोला- मुझे एक ज्वाइंट अकाउंट खुलवाना है! बैंक मैनेजर- किसके साथ? संता- जिसके अकाउंट में खूब सारा पैसा हो। बैंक मैनेजर (गार्ड से)- धक्के मारकर बाहर निकालो इसको।

संता- क्या हुआ क्यों उदास बैठे हो? बंता- कल एक न्यूज चैनल के एंकर ने कहा था आइए हम आपको गोवा लेकर चलते हैं। तभी से तैयार बैठा हूं ,कोई आया ही नहीं।

टीचर- चुनाव कितने चरणों में होता है? पप्पू- चुनाव केवल दो चरणों में होता है। टीचर- कैसे? पप्पू- चुनाव से पहले जनता के चरणों में.. चुनाव के बाद नेता के चरणों में..

कहानी | ब्राह्मण और सांप

एक नगर में हरिदत्त नाम का ब्राह्मण रहता था। उसके पास खेत थे, लेकिन उनमें ज्यादा पैदावार नहीं होती थी। एक दिन हरिदत्त अपने खेत में एक पेड़ के नीचे सोया हुआ था। जैसे ही हरिदत्त की आंख खुली उसने देखा कि एक सांप अपना फन फैलाए बैठा हुआ है। ब्राह्मण को अहसास हुआ कि यह कोई साधारण सांप नहीं है, बल्कि कोई देवता है। ब्राह्मण ने निर्णय लिया कि वह आज से इस देवता की पूजा करेगा। हरिदत्त उठा और कहीं से जाकर दूध ले आया। उसने मिट्टी के बर्तन में सांप को दूध पिलाया। दूध पिलाते समय हरिदत्त ने सांप से क्षमा मांगते हुए कहा कि हे देव! मैं आज तक आपको साधारण सांप समझता रहा मुझे माफ कर दीजिए। अपनी कृपा दृष्टि से मुझे बहुत सारा धन-धान्य प्रदान करें प्रभु। ऐसा कहकर हरिदत्त अपने घर वापस आ गया। अगले दिन जब वह अपने खेत पहुंचा, तो उसने देखा कि जिस बर्तन में उसने कल सांप को दूध पिलाया था, उसमें एक सोने का सिक्का पड़ा हुआ है। हरिदत्त ने वो सिक्का उठा लिया। अब हरिदत्त रोज सांप की पूजा करने लगा और सांप रोज उसे एक सोने का सिक्का देने लगा। कुछ दिन बाद हरिदत्त को दूर किसी देश जाना पड़ा, तो उसने अपने बेटे से कहा कि तुम खेत में जाकर सांप देवता को दूध पिला आना। अपने पिता की आज्ञा से हरिदत्त का बेटा खेत में गया और सांप के बर्तन में दूध रख आया। अगली सुबह जब वह सांप को दूध पिलाने गया, तो उसने देखा कि वहां सोने का सिक्का रखा हुआ है। हरिदत्त के बेटे ने वो सोने का सिक्का उठा लिया और मन ही मन सोचने लगा कि जरूर इस सांप के बिल में सोने का भंडार है। उसने सांप के बिल को खोदने का फैसला किया, लेकिन उसे सांप का बहुत डर था। हरिदत्त के बेटे ने योजना बनाई कि जैसे ही सांप दूध पीने आएगा, तो वह उसके सिर पर लाठी से वार करेगा, जिससे सांप मर जाएगा। सांप के मरने के बाद मैं तसल्ली से बिल खोदूंगा और उसमें से सोना निकाल कर अमीर आदमी बन जाऊंगा। लड़के ने अगले दिन ऐसा ही किया, लेकिन जैसे ही उसने सांप के सिर पर लाठी मारी, तो वो मरा नहीं बल्कि गुस्से से भर उठा। सांप ने क्रोध में लड़के के पैर में अपने विष भरे दांतों से काटा और लड़के की उसी समय मौत हो गई। हरिदत्त जब वापस लौटा, तो उसे यह जानकर बहुत दुःख हुआ।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

वृषभ शत्रु सक्रिय रहेंगे। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

मिथुन अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बढ़ सकती है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। तनाव रहेगा।

कर्क धनहानि संभव है, सावधानी रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से बचें।

सिंह कष्ट, तनाव व चिंता का वातावरण बन सकता है। शत्रु पस्त होंगे। धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

कन्या पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी साधु-संत का आशीर्वाद मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे।

तुला पुराना रोग उभर सकता है। दूर से दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। किसी व्यक्ति के व्यवहार से अप्रसन्नता रहेगी। अपेक्षित कार्य विलंब से होंगे।

वृश्चिक कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

धनु जल्दबाजी न करें। कोई समस्या खड़ी हो सकती है। शरीर शिथिल हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा।

कुम्भ जल्दबाजी से चोट लग सकती है। दूर से शोक समाचार मिल सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है।

मीन व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेचैनी रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा।

इंडस्ट्री में मुझे अछूत की तरह ट्रीट किया जाने लगा है: स्वरा भास्कर

बॉलीवुड मसाला

निल बटे सन्नाटा और तनु वेड्स मनु जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं स्वरा भास्कर को हमेशा से एक टैलेंटेड एक्ट्रेस माना गया। मगर एक्टिंग के अलावा समाज और राजनीति से जुड़े तमाम मुद्दों पर अपनी राय खुलकर रखने वालीं स्वरा, पिछले कुछ समय से बड़ी फिल्मों में नजर नहीं आई हैं।

हाल ही में स्वरा ने बताया था कि कैसे उनकी कंट्रोवर्सीज की वजह से इंडस्ट्री में उनकी एक इमेज बन गई है, जिसके चलते फिल्ममेकर्स उनके साथ काम करने से बचते हैं और अब उनके पति ने उन्हें चुप होकर सिर्फ एक्टिंग करने की सलाह दी है। अब उन्होंने कहा है कि उनके लिए सबसे महंगी चीज उनका सोशल मीडिया अकाउंट है, क्योंकि इसकी वजह से उनका करियर खत्म हो रहा है। स्वरा ने यहां तक कहा कि अब इंडस्ट्री में उन्हें अछूत की तरह ट्रीट किया जाने लगा है।

कनेक्ट सिने के साथ एक बातचीत में स्वरा ने बताया कि विवादों से नाम जुड़ते रहने के कारण, इंडस्ट्री ने उनसे पल्ला झाड़ना शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया, इंडस्ट्री में बहुत सारे प्रोड्यूसर्स के लिए मैं अछूत हो गई हूं। और ये मेरे शब्द नहीं हैं, ये मेरे शुभचिंतकों के और डायरेक्टर्स, प्रोड्यूसर्स दोस्तों के शब्द हैं जिन्होंने कॉल करके मुझे बताया है। लोगों ने मुझे बताया कि वो मुझे कास्ट करना चाहते हैं, मगर स्टूडियो ने मेरा नाम सुनकर रिजेक्ट कर दिया। स्वरा ने कहा, उन्हें एक कास्टिंग डायरेक्टर ने बताया है कि उन्हें अक्सर स्वरा जैसी एक एक्ट्रेस के लिए ब्रीफ मिलती है। लेकिन जब वो पूछती हैं कि उन्हें क्यों नहीं कास्ट किया जाता, तो उन्हें बताया जाता है, वो सोचते हैं कि नहीं, विवाद होंगे। स्वरा ने कहा कि बहुत सारे लोग राह चलते हुए, एयरपोर्ट पर उन्हें सपोर्ट करने वाली बात करते हैं। इससे उन्हें सपोर्ट मिलता भी है, लेकिन उनके बहुत सारे शुभचिंतकों को लगता है कि उन्हें अपने पैर पर कुल्हाड़ी मार ली है।

पुलिस आफिसर के किरदार से सिद्धार्थ ने किया तौबा

अ सफलताएं हमेशा आपको बेहतर इंसान बनने में मदद करती हैं, अगर इंसान उनसे सीख ले तो। कुछ ऐसी ही सीख लेते हुए अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कॉप की भूमिका निभाने से मना कर दिया है। सिद्धार्थ पहले शेरशाह में सैन्य अधिकारी के किरदार में दिखे थे। इसे के बाद वह वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में पुलिस अधिकारी और हालिया रिलीज फिल्म में योद्धा में सैन्य अधिकारी के रोल में नजर आए थे

एक ही तरह की भूमिकाएं निभाने से कलाकारों को टाइपकास्ट होने का जोखिम रहता है। वही योद्धा के फ्लॉप होने के बाद सिद्धार्थ को झटका लगा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाल में ही उन्हें मेघना गुलजार की फिल्म का ऑफर मिला था, जिसमें उन्हें फिर से पुलिसकर्मी का किरदार निभाना था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अब सिद्धार्थ ने इस फिल्म को करने के साफ इनकार कर दिया है। योद्धा की असफलता के बाद अब वह कॉप की भूमिकाएं निभाने से बच रहे हैं। सिड ऐसे प्रोजेक्ट्स पर खास ध्यान दे रहे हैं, जहां उन्हें अलग-अलग भूमिका निभाने का मौका मिले। रिपोर्ट के मुताबिक सिद्धार्थ मल्होत्रा निर्माता मुराद खेतानी के साथ एक्शन फिल्म कर रहे हैं।

वहीं, फिल्म का निर्देशन बलविंदर सिंह जंजुआ करने जा रहे हैं, जिन्होंने रणदीप हुड्डा की तेरा क्या होगा लवली का निर्देशन किया था। वहीं एक्टर अपनी पत्नी और एक्ट्रेस कियारा आडवाणी के साथ भी एक फिल्म कर सकते हैं। दोनों की जोड़ी को शेरशाह में बहुत मिला था।

रोमांटिक मूवी में भी आ सकते हैं नजर

कियारा के अलावा सिद्धार्थ मल्होत्रा एक्ट्रेस कृति सेनन के साथ भी फिल्म में दिख सकते हैं। यह रोमांटिक मूवी होगी। बताया जा रहा है कि यह मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनेगी। हालांकि इसको लेकर ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है।

बॉलीवुड मन की बात

18 साल की उम्र में हो चुकी हूं कास्टिंग काउच की शिकार : ईशा कोप्पिकर

ईशा कोप्पिकर इन दिनों सुर्खियों में आ गई हैं। भले आज ईशा इंडस्ट्री में खासी एक्टिव न हो पर एक वक्त था जब एक्ट्रेस ने अपनी एक्टिंग से दर्शकों को अपना दिवाना बनाया था। मगर उनके लिए फिल्म इंडस्ट्री में नाम कमाना उतना आसान नहीं था। एक्ट्रेस को 18 साल की उम्र में कास्टिंग के दर्द से होकर गुजरना पड़ा था। हाल ही में मीडिया के साथ बातचीत में ईशा कोप्पिकर ने बताया कि वो 18 साल की थीं जब उन्हें कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा था। इस बारे में बात करते हुए वो इमोशनल हो गईं और कहा, मैं 18 साल की थी जब एक सेक्रेटरी और एक एक्टर ने कास्टिंग काउच के लिए मुझसे संपर्क किया था। उन्होंने मुझसे कहा कि काम पाने के लिए तुम्हें एक्टर्स के साथ फ्रेंडली होना पड़ेगा। मैं बहुत मिलनसार हूं, लेकिन फ्रेंडली का क्या मतलब है? मैं इतनी मिलनसार हूं कि एकता कपूर ने एक बार मुझसे कहा था कि थोड़ा एटीट्यूड रखो। ईशा ने विषय पर बात करते हुए आग बताया कि एक बार एक ए-लिस्ट बॉलीवुड एक्टर ने उन्हें मिलने के लिए अकेले बुलाया था। वो एक्टर अपने अफेयर को लेकर हमेशा चर्चा में रहता था। एक्ट्रेस ने कहा, जब मैं 23 साल की थी तो एक एक्टर ने मुझे अकेले मिलने के लिए बुलाया, वो भी मेरे ड्राइवर या किसी और के बिना क्योंकि उनके बारे में दूसरी एक्ट्रेसेस के साथ अफेयर होने की अफवाहें चर्चा में थीं। उन्होंने ईशा से कहा, मेरे बारे में पहले से ही विवाद हैं और कर्मचारी अफवाहें फैलाते हैं। जिसके बाद एक्ट्रेस ने मिलने के लिए मना कर दिया और कहा था कि वो अकेले नहीं आ सकतीं। ईशा कोप्पिकर के फिल्मी करियर की बात करें तो उन्होंने साल 1998 में फिल्म चंद्रलेखा से 22 साल की उम्र में डेब्यू किया था। तेलुगु फिल्मों के बाद तमिल और कन्नड़ में काम करने के बाद एक्ट्रेस ने हिंदी फिल्म एक था दिल एक थी धड़कन में काम किया था। इसके बाद दिल का रिश्ता, कयामत, एलओसी कारगिल और क्या कूल हैं हम जैसी फिल्मों से उन्होंने जमकर पॉपुलैरिटी हासिल की।

मौसम विभाग से कम नहीं ये अनोखा पक्षी अपने अंडों से देता है मानसून की जानकारी

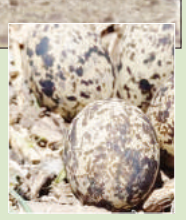

पर्यावरण को शुद्ध बनाने वाले हर पक्षी की अपनी एक अगल विशेषता होती है। ऐसा ही एक पक्षी टिटहरी है, जिसे आम भाषा मे टटाटिबली के नाम से भी जाना जाता है। इस पक्षी को भगवान ने ऐसा करिश्मा दिया है, जो अपने अंडों के जरिए अच्छे मानसून का संकेत देती हैं। भरतपुर के ग्रामीण इलाके में इस पक्षी को टिटहरी व पश्चिमी राजस्थान में इसे टिटूड़ी या टटाटिबली कहते हैं। भरतपुर के ग्रामीण लोग बताते हैं कि यह मादा अगर 6 अंडे देती है, तो अच्छी पैदावार व बरसात की उम्मीद बन जाती है। खुले घास के मैदान, छोटे-मोटे पत्थरों, सूनी हवेलियों व सूनी छतों पर बसेरा करने वाली टिटहरी अप्रैल से जून माह के प्रथम सप्ताह तक करीब 4 से 6 अंडे देती है, जिनसे मानसून का पता लगाया जाता है। ग्रामीण लोग और बुजुर्गों का मानना कि जब टिटहरी अंडे देती है, तो इसके कुछ दिन बाद ही बरसात आने की संभावना बन जाती है। इनका मानना है कि टिटहरी को पहले से ही आगे के मौसम का संकेत पता लग जाता है। यही टिटहरी अनेक तरह के शिकारी पक्षियों व जानवरों के आने व आस-पास होने की चेतावनी भी अपनी आवाज से दे देती है। इससे इस पक्षी के आस-पास घूमने वाले पशु-पक्षी संकेत पाकर सावधान हो जाते हैं। गांव के बुजुर्ग बताते हैं कि इस पक्षी के अंडे देने के बाद लगभग 18 से 20 दिनों बाद इनमें से बच्चे बाहर निकल जाते हैं। टिटहरी के बच्चों के पैरों का रंग सामान्य तौर पर लाल होता है। बाद में धीरे-धीरे बड़े होने के साथ यह रंग पीला होता जाता है। इनके अंडे भूरे-काले धब्बेदार होते हैं। ये कीट-पतंगे खाकर अपना भरण-पोषण करते हैं। मौसम का अंदाजा बताने वाली टिटहरी कई प्रकार की आवाजें निकालती हैं। इसकी आवाज से यह पता लगता है कि या तो मौसम बदलने वाला है या फिर कोई जानवर या पक्षी आने वाला है।

अजब-गजब

127 साल पहले लगी थी पाबंदी!

इस देश में नहीं चलती एक भी कार, घोड़ागाड़ी से होता है सफर

हमारी दुनिया इतनी विकसित और दौड़ती-भागती है कि हम कल्पना भी नहीं कर सकते कि कोई ऐसी भी जगह है, जहां आप मोटर गाड़ियां नहीं चला सकते। जहां आपको आने-जाने के लिए सिर्फ और सिर्फ बिना मोटर वाले वाहनों पर निर्भर रहना पड़े। अगर आप सोच रहे हैं कि वहां ज़िंदगी कैसी होगी, तो आप वायरल हो रहे एक वीडियो के ज़रिये देख सकते हैं कि वहां लोग कितने सुकून में रहते हैं।

आप शायद ही किसी ऐसी जगह की कल्पना कर सकते हैं, जहां मोटर गाड़ियां चलाने पर प्रतिबंध लगा हो? वैसे एक जगह ऐसी है, जहां सिर्फ साइकिलें और घोड़ागाड़ियां ही चलती हैं, आप जानकर हैरान रह जाएंगे कि ये जगह भी सबसे विकसित देश अमेरिका में है। इस जगह पर हवा की क्वालिटी इतनी बेहतरीन है कि प्रदूषण के बीच रहते-रहते हम इसे सोच भी नहीं सकते।

अमेरिका के मिशिगन में मौजूद मैकिनैक काउंटी में मैकिनैक द्वीप है। यहां पिछले 127 सालों से मोटर व्हीकल्स पर बैन लगा हुआ है। ये पाबंदी साल 1898 से लगाई गई थी, जिसके बाद पूरे द्वीप पर आपको ढूंढे से भी कारें नहीं

मिलेंगी। यहां के लोग घोड़ा गाड़ियों और साइकिलों से ही सफर करते हैं। इस पाबंदी का नतीजा यहां की बेहतरीन हवा की क्वालिटी है। आइए आपको दिखाते mackinacisle नाम के इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया गया इसका वीडियो।

ह्यूरन झील के पास मौजूद इस समर रिसॉर्ट सिटी में जाने के लिए फेरी का सहारा लेना पड़ता है। द्वीप की जनसंख्या भी करीब 600 लोगों की है और ये जगह अपनी नेचुरल ब्यूटी के लिए मशहूर है। लोग यहां बड़ी संख्या में घूमने के लिए आते हैं, खास तौर पर जून में लीलैक फेस्टिवल (Lilac Festival) और फॉल फोलिएज (fall foliage) देखने लोग इस जगह पर पहुंचते हैं।

मोदी-शाह ने किया असम से विश्वासघात : खरगे

» बोले- बाढ़ मुक्त राज्य बनाने का वादा नहीं किया पूरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने असम में बाढ़ की गंभीर स्थिति पर चिंता जताते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्वोत्तर के इस प्रदेश को बाढ़ मुक्त बनाने का वादा किया, लेकिन राज्य की जनता के साथ विश्वासघात किया गया। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में हर मुद्दे पर झूठ, फरेब और विश्वासघात की राजनीति की है। असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है और प्रमुख नदियों में पानी खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ से विभिन्न जिलों के चार लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।

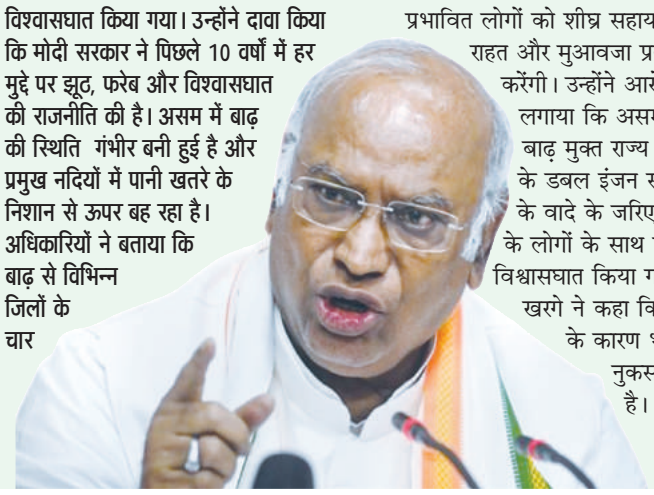

खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर है। 15 जिलों में लाखों लोग प्रभावित हैं और अब तक कई लोगों की जान जा चुकी है। कांग्रेस पार्टी असम के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ी है। पीड़ितों के परिवारों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदना। हम उम्मीद करते हैं कि मोदी सरकार और असम सरकार प्रभावित लोगों को शीघ्र सहायता, राहत और मुआवजा प्रदान करेंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि असम को बाढ़ मुक्त राज्य बनाने के डबल इंजन सरकार के वादे के जरिए राज्य के लोगों के साथ पूरी तरह विश्वासघात किया गया है। खरगे ने कहा कि भाजपा के कारण भारत को नुकसान हुआ है।

राज्य सरकार को लोगों को तत्काल राहत देना चाहिए : प्रियंका

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी असम मे बाढ़ की स्थिति को लेकर चिंता जताई। उन्होने एक्स पर पोस्ट किया, असम मे आई बाढ़ से जनजीवन बुरी तरह अस्त-व्यस्त होने की खबरे है। अब तक इस आपदा मे कई लोगो की मृत्यु का समाचार दुखद है। राज्य के 19 जिलो के करीब लाख लोग बाढ़ से प्रभावित है। कांग्रेस महासचिव ने कहा, राज्य सरकार से अपील है कि बाढ़ से प्रभावित लोगो के लिए राहत और बचाव कार्य तेज करने के साथ मृतको के परिजनो को मुआवजा भी दिया जाए। कांग्रेस कार्यकर्त्ताओ व नेताओ से अपील करती हूं कि प्रभावित लोगो की हर संभव मदद करे। वही प्रियंका ने पेपर लीक मामले में भी अपनी बात रखी। उन्होने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। सबसे ज्यादा युवा आबादी हमारे पास है। भाजपा की सरकार हमारे इन युवाओ को कुशल और सक्षम बनाने की जगह उन्हे कमजोर बना रही है। कांग्रेस नेता ने कहा, करोड़ो होनहार छात्र दिन-रात मेहनत से पढ़ाई करते है, अलग-अलग परीक्षाओ की तैयारी करते है, माता-पिता, तन-पेट काटकर पढ़ाई का बोझ उठाते है।

हड़बड़ी में पारित तीन नए आपराधिक कानूनों को टाला जाए : ममता बनर्जी

» बंगाल सीएम ने पीएम मोदी से की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर हड़बड़ी में पारित तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन को टालने का आग्रह किया है। ये तीनों कानून एक जुलाई से लागू होने हैं। ममता ने आपराधिक कानूनों की नए सिरे से संसदीय समीक्षा पर जोर दिया। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ने मोदी को लिखे पत्र में तीनों कानूनों के आसन्न कार्यान्वयन को लेकर गंभीर चिंता जताई। ये तीन नए कानून हैं, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2024।

सूत्रों के मुताबिक, टीएमसी प्रमुख ने बृहस्पतिवार को वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम से भी मुलाकात की, जो विधेयकों की जांच करने वाली संसद की स्थाई समिति का हिस्सा थे, और उनसे इस मुद्दे पर चर्चा की। टीएमसी नेता डेरेक ओ ब्रायन, द्रमुक नेता एनआर एलंगो और चिदंबरम ने तीनों विधेयकों पर अपनी रिपोर्ट में असहमति जताई थी। ममता ने कहा कि ये तीनों विधेयक लोकसभा में ऐसे समय में पारित हुए, जब 146 सांसद सदन से निलंबित थे।

एकतरफा और बिना किसी बहस के पारित किए गए कानून

ममता ने कहा, आपकी पिछली सरकार ने इन तीन महत्वपूर्ण विधेयको को एकतरफा और बिना किसी बहस के पारित कर दिया था। उस दिन, लोकसभा के लगभग 100 सदस्यो को निलंबित कर दिया गया था और दोनो सदनो के कुल 146 सांसदो को संसद से बाहर निकाल दिया गया था। उन्होने कहा, लोकतंत्र के उस काले दौर मे विधेयको को तानाशाहीपूर्ण तरीके से पारित किया गया। मामले की अब समीक्षा होनी चाहिए। ममता ने कहा, मैं अब आपके कार्यालय से आग्रह करती हूं कि कम से कम कार्यान्वयन की तारीख को आगे बढ़ाने पर विचार करे। इसके दो कारण है: नैतिक और व्यावहारिक। उन्होने कहा कि इन महत्वपूर्ण विधाई बदलावो पर नए सिरे से विचार-विमर्श होना चाहिए और जांच के लिए नव निर्वाचित संसद के समक्ष रखा जाना चाहिए।

दूसरे धर्म के धर्म गुरुओं के बारे में भी पढ़ाना चाहिए : दिग्विजय

» मप्र सीएम की घोषणा पर पूर्व सीएम का सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ऐलान किया है कि उच्च शिक्षा और स्कूली शिक्षा में राम और कृष्ण के पाठ पढ़ाए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा की गई घोषणा के बाद पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कहा कि भगवान राम और कृष्णा हमारे आदर्श हैं, उनके बारे में पढ़ाया जाना चाहिए।

लेकिन दूसरे धर्म के धर्म गुरुओं के बारे में भी पढ़ाना चाहिए। मुख्यमंत्री मोहन यादव के बयान के बाद पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कहा कि भगवान राम और कृष्ण हमारे आदर्श हैं। भगवान राम और कृष्ण के बारे में पढ़ाया जाना चाहिए, जिससे हमारे समाज को सीखने को मिले। राम और कृष्ण के अलावा दूसरे धर्म के धर्म गुरुओं के बारे में भी पढ़ाना चाहिए। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या गुरु नानक को नहीं पढ़ना चाहिए? क्या जीजस को नहीं पढ़ाना चाहिए और क्या मोहम्मद साहब के बारे में नहीं पढ़ाना चाहिए? उन्होंने कहा कि मेरा तो ऐसा मानना है कि सभी धर्म के धर्म गुरुओं के विचारों को पढ़ाया जाए।

» हर स्तर पर की गई गड़बड़ी

» नगर निगम जोन 8 का मामला डीएम लखनऊ तक पहुंचा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम हाउस टैक्स का भ्रष्टाचार केवल जीआईएस तक सीमित नहीं है। इसमें बड़े स्तर पर खेल हुआ है। ताजा मामला नगर निगम जोन 8 का है। जहां हाउस टैक्स में की गई गड़बड़ियों की शिकायत लखनऊ डीएम सर्यूपाल गंगवार तक पहुंच गई है। डीएम ने इसको लेकर कमिटी बना दी है। बताया जा रहा है कि जोन 8 में कर निर्धारण में बड़े - बड़े घोटाले किए गए है। इसकी लिखित शिकायत डीएम के यहां हुई है।

उसके बाद डीएम ने कर निर्धारण घोटाले में एक टीम गठित कर दी है।

इसमें यह टीम नगर निगम जोन 8 के जोनल अधिकारी अजीत राय व टीयस सोनी और देवी शंकर दुबे पर का बयान दर्ज करेगी। इसको लेकर 25 जून सुबह 12 बजे का समय दिया गया है। ट्रांसपोर्ट नगर से लेकर पीजीआई रोड और आशियाना में हाउस टैक्स के निर्धारण में बड़े स्तर पर गड़बड़ी की गई है। आवासीय एवं व्यवसायिक भवनों के वार्षिक कर निर्धारण में बड़े स्तर पर अनियमितता की बात सामने आ रही है।

शासन स्तर पर शिकायत दर्ज

इसको लेकर शासन स्तर पर शिकायत दर्ज की गई थी। शासन से भी मामले में जल्द जांच शुरू होगी। फिलहाल डीएम की जांच टीम में नगर मजिस्ट्रेट लखनऊ अंकित कुमार का नाम सबसे आगे है। इनकी तरफ से पत्र जारी कर आरोपी लोगों को 25 मार्च को बयान दर्ज कराने के लिए नगर मजिस्ट्रेट लखनऊ कार्यालय बुलाया गया है। इससे पहले भी कई बार हाउस टैक्स को लेकर नगर निग म की कार्यप्रणाली पर आम से खास लोगों ने नाराजगी दिखाई हैं। पर अब उम्मीद की जा सकती है कुछ सुधार होगा।

वेस्टइंडीज ने मुश्किल की अमेरिका की राह

» विंडीज टीम ने 55 गेंद रहते जीता सुपर-8 मैच

» इंग्लैंड-द. अफ्रीका से बेहतर हुआ नेट रन रेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बारबाडोस। वेस्टइंडीज ने शनिवार को अमेरिका के खिलाफ नौ विकेट से जीत हासिल कर सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा। अब वेस्टइंडीज की टीम अपना तीसरा मैच दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 24 जून को खेलेगी। पिछले मैच में विंडीज टीम को इंग्लैंड के खिलाफ करारी हार मिली थी। वहीं, अमेरिका के सेमीफाइनल में पहुंचने की राह अब मुश्किल है। वेस्टइंडीज के लिए खास बात यह है कि उसने अमेरिका को 10.5 ओवर में हरा दिया। यानी 55 गेंद रहते टीम जीती है।

उनका नेट रन रेट अफ्रीका और इंग्लैंड से बेहतर हो गया है। अफ्रीका के चार अंक हैं और वह सुपर-8 ग्रुप-2 में शीर्ष पर है, जबकि वेस्टइंडीज की टीम दूसरे स्थान पर आ गई है। इंग्लैंड तीसरे स्थान पर है। उसे द. अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा था। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अमेरिका की टीम 19.5 ओवर में 128 रन पर सिमट गई थी। वेस्टइंडीज ने ग्रुप दो में बड़ा बदलाव किया है। अब टीम दो अंकों के साथ दूसरे पायदान पर पहुंच गई है। वहीं, उनका नेट रनरेट +1.814 हो गया। इंग्लैंड की टीम दो मैचों में एक जीत के साथ तीसरे पायदान पर खिसक गई है। उनके खाते में दो अंक जरूर हैं लेकिन उनका नेट रनरेट +0.412 है। चौथे पायदान पर अमेरिका की टीम है जिसे सुपर-8 में अब तक एक भी जीत नहीं मिली है। वहीं, उनका नेट रनरेट -2.908 हो गया है।

कमिंस हैट्रिक लेने वाले बने दूसरे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी

टी20 वर्ल्ड कप 2024 की पहली हैट्रिक लेकर पैट कमिंस ने तलहका मचा दिया है। बांग्लादेश के खिलाफ सुपर 8 चरण के मुकाबले में पैट कमिंस ने 4 ओवरों में 29 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए। टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए कंगारू टीम ने बांग्लादेश को 20 ओवर में 140 रन पर ही रोक दिया। पैट कमिंस टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में हैट्रिक लेने वाले ऑस्ट्रेलिया के चौथे तेज गेंदबाज बन गए हैं। वहीं टी20 वर्ल्ड कप में हैट्रिक लेने वाले वह दूसरे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बन गए हैं।

भाजपा मामले को डायवर्ट करना चाहती है: तेजस्वी

राजद नेता बोले- नीट पेपर लीक जांच में पूछताछ के लिए तैयार

» नीट परीक्षा धांधली का आरोपी सम्राट चौधरी का करीबी : आरजेडी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा के द्वारा तेजस्वी यादव के आप्त सचिव प्रीतम कुमार का नाम नीट पेपर लीक मामले में आने पर तेजस्वी यादव ने भाजपा पर मामले को डाइवर्ट करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा मामले को डाइवर्ट करना चाहती है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि नीट धांधली मामले में अगर प्रीतम कुमार का नाम आता है तो उनको उनको बुलाकर पूछताछ कर लिया जाय। तेजस्वी ने कहा है की जरूरत इस बात की है तो बुला कर पूछताछ कर ले जो भी दोषी है, उन्हें गिरफ्तार करें। अगर इन लोगों से नहीं हो रहा है तो मैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बोल देता हूं कि जो भी दोषी हैं उनको गिरफ्तार करें।

तेजस्वी ने सीधा तौर पर कहा कि जो इंजीनियर गिरफ्तार हुआ है वह बेनिफिशियरी हो सकता है लेकिन मास्टरमाइंड अमित आनंद और मास्टरमाइंड नितेश कुमार है। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने फोटो भी साझा कर दिया है। तेजस्वी यादव ने उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा पर हमला करते हुए कहा कि उन्हें कोई ज्ञान नहीं है। तेजस्वी यादव ने सिस्टम पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि शिक्षक भर्ती के जो आरोपी थे वह बिना जेल गए बाहर-बाहर बिल भी ले लिया। हम लोगों को सारी जानकारी है। तेजस्वी ने कहा कि पूरे मामले को डायवर्ट कर हमसे जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम तो कह ही रहे हैं कि जिनको जो जांच करनी है, कर ले। राष्ट्रीय जनता दल ने सम्राट चौधरी पर सीधा आरोप लगाया है। राजद ने सोशल मीडिया पर एक फोटो को पोस्ट करते हुए लिखा है कि नीट परीक्षा पेपर लीक घोटाले का मुख्य आरोपी बिहार के उपमुख्यमंत्री के साथ। आरोपी के हाथों सम्मानित होने वाले तथाकथित ताकतवर मंत्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से उसके साथ अपनी सारी तस्वीरें डिलीट कर दी, लेकिन चिंता की कोई बात नहीं हमारे पास सभी है। आपके व्याकुल समकक्ष दूसरे उपमुख्यमंत्री को यह भेज दिजीए।

केंद्रीय मंत्री की फिसली जुबान, कहा- 2025 में एनडीए का करेंगे सूपड़ा साफ

हाजीपुर। केंद्र में एनडीए की सरकार तीसरी बार बनी है। इसके बाद से सांसद और केंद्रीय बने नेता जीतने के बाद अपने क्षेत्र में जनता को धन्यवाद देने पहुंचे रहे हैं। लेकिन इसी दौरान मंत्रियों की जुबान भी फिसल रही है। ताजा मामला वैशाली के उजियारपुर का है, जहां केंद्र में दूसरी बार मंत्री बने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय की सभा के दौरान जुबान फिसल गई। केंद्रीय मंत्री ने धन्यवाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2025 में एनडीए को धूल चटा देंगे। जानकारी के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय वैशाली जिले के पातेपुर विधानसभा क्षेत्र में धन्यवाद सभा को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री बनने के बाद पहली बार नित्यानंद राय बिहार पहुंचे थे। जहां एयरपोर्ट पर जमकर केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया गया। वहीं, केंद्रीय मंत्री भी अपने संसदीय क्षेत्र में लोगों से मिल भी रहे थे। मंच से केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2025 में तेजस्वी यादव को धूल चटा देंगे। साथ ही केंद्रीय मंत्री मंच से आरजेडी कार्यकर्ताओं को धमकाते भी नजर आए। उन्होंने कहा कि अगर हमारे लोगों को बुरी नजर से देखा तो अंजाम भी बुरा होगा। कानून के हाथ लंबा होते हैं, 100 जन्मों तक हम नानी याद दिलवा देंगे। नित्यानंद राय सक्षम भी है, समर्थ भी है। हम तो नानी के गोद में ही खेले हैं।

एक-दो दिन में प्रदेश में झूम के बरसेंगे बदरा

» आगे बढ़ रहा मानसून, कल से शुरू हो सकती है बारिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज्य में एक दो दिन में बारिश हाने के आसार है। मानसून अपनी सामान्य रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। देश में लगातार आगे बढ़ रहे मानसून की गति को देखकर मौसम विभाग ने अगले दो-तीन दिन में अच्छी बरसात होने की बात कही। इससे पहेल शुक्रवार को भी प्रदेश के कई इलाकों में बरसात हुई। खासकर पूर्वी उत्तर प्रदेश में मौसम थोड़ी बहुत गर्मी के बीच भी खुशनुमा बना हुआ है। विभाग ने पूर्वी उत्तर प्रदेश को पूरी तरह से लू मुक्त घोषित कर दिया है। साथ ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अभी तीन-चार दिन तक लू से प्रभावित रहने के आसार भी जताए हैं।

शुक्रवार को प्रदेश के कुछ हिस्सों में जहां बरसात हुई, वहीं उरई व आसपास का इलाका भीषण लू की चपेट में भी रहा। 23 जून से देर-सबेर बरसात शुरू होगी। 24 तक पूर्वी उत्तर प्रदेश के 50 फीसदी से अधिक इलाके बरसात से कवर होंगे। जबकि 26 तक पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी झमाझम होगी। मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक, पूर्वी उत्तर प्रदेश को लू से तो राहत मिल गई, लेकिन पश्चिमी इलाकों में लू का प्रकोप रहेगा। पारा में भी कुछ बढ़ोतरी के आसार हैं।

अखनूर में दो बसों के बीच टक्कर, 20 यात्री घायल

» तीन की हालत गंभीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में सड़क हादसा हुआ है। जम्मू के अखनूर के ज्यौडियां की मुख्य सड़क पर दो बसों की आपस में टक्कर हो गई। हादसे में 20 यात्री घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, काली माता मंदिर बोमाल के पास शनिवार को दो बस आपस में भिड़ गईं।

हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। आनन-फानन सभी को बसों से निकाला गया। घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अखनूर उपजिला अस्पताल में ले जाया गया। तीन की हालत गंभीर देखते हुए जम्मू जीएमसी रेफर किया गया है।

लखनऊ व प्रयागराज को मिले नए कमिश्नर

» अमरेंद्र कुमार सेंगर को राजधानी की कमान

» कई आईपीएस अफसरों के तबादले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में शनिवार को कई आईपीएस अफसरों के तबादले हुए हैं। लखनऊ व प्रयागराज के पुलिस कमिश्नर बदले गए हैं। आईपीएस अमरेंद्र कुमार सेंगर लखनऊ के नए पुलिस कमिश्नर होंगे। वहीं, आईपीएस तरुण गाबा को पुलिस कमिश्नर प्रयागराज नियुक्त किया गया है। आईपीएस राजेश द्विवेदी को एसपी कुंभ प्रयागराज के पद पर नियुक्ति दी गई है। आईपीएस एसबी शिरादकर को अपर पुलिस महानिदेशक लखनऊ नियुक्त किया गया है।

वह अभी तक लखनऊ पुलिस कमिश्नर के पद पर थे। आईपीएस रमित शर्मा को अपर पुलिस महानिदेशक बरेली जोन बनाया गया है। आईपीएस प्रेमचंद मीना को एडीजी पुलिस आवास निगम लखनऊ नियुक्त किया गया है। आईपीएस प्रशांत कुमार द्वितीय को आईजी रेंज लखनऊ नियुक्त किया गया है। आईपीएस विनोद कुमार सिंह एडीजी साइबर क्राइम यूपी नियुक्त किए गए हैं। आईपीएस प्रकाश डी अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे बनाए गए हैं। आईपीएस जय नारायन सिंह को एडीजी पीटीसी सीतापुर नियुक्त किया गया है। इसी तरह, आईपीएस एलवी एंटनी देव को एडीजी सीबीसीआईडी यूपी नियुक्त किया गया है। आईपीएस रघुवीर लाल को एडीजी सुरक्षा के साथ एडीजी एसएसएफ की भी जिम्मेदारी दी गई है। आईपीएस के सत्यनारायण को अपर पुलिस महानिदेशक बनाया गया है। आईपीएस बीडी पॉल्सन को अपर पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण नियुक्त किया गया है। आईपीएस विद्यासागर मिश्र को रामपुर का पुलिस अधीक्षक व आईपीएस यमुना प्रसाद को डीसीपी नोएडा बनाया गया है।

विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारे पर होगी रार!

» शरद पवार ने ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने के दिए संकेत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। लोकसभा चुनाव में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी एसपी जोश में है। यही वजह है कि पार्टी ने संकेत दिए हैं कि लोकसभा चुनाव में वे भले ही कम सीटों पर मान गए थे, लेकिन विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी गठबंधन की पार्टियों के बीच सीट बंटवारे के दौरान वे कम सीटों पर सहमत नहीं होंगे।

एनसीपी एसपी के दौरान शरद पवार ने ऐसे संकेत दिए हैं। शरद पवार ने पुणे में पार्टी की दो बैठकों में हिस्सा लिया। एक बैठक पार्टी पदाधिकारियों की थी, वहीं दूसरी बैठक पार्टी के विधायकों और नवनिर्वाचित सांसदों की थी।

मौत के मुंह में काम कर रहे सीवर कर्मचारी

» सीएम और शासन के निर्देशों को दिखाया ठेंगा

» बिना मानक सीवर के अंदर उतारे जा रहे सफाई कर्मचारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीएम के आदेश के बाद भी सीवर कर्मचारियों के जान से खिलवाड़ करने का काम जारी है। राजधानी लखनऊ में अभी भी प्रॉपर सेफ्टी किट का इस्तेमाल किए बिना ही मजदूरों को सीवर लाइन के अंदर उतार दिया जा रहा है। 4पीएम की जांच में यह बात सामने आई है। बड़ी बात यह है कि मंडलायुक्त कार्यालय से महज 700 मीटर की दूरी पर यह काम हो रहा था।

19 जून की रात को शहीद स्मारक से रेजीडेंसी को जाने वाली सड़क पर काम कराया जा रहा था। पता चला कि यहां बिना मानक काम चल रहा है। 4 पीएम की टीम मौके पर पहुंची तो देखा कि कर्मचारियों ने बस सेफ्टी कीट के नाम पर हेल्मेट लगाया था। बड़ी बात यह है कि सीवर के अंदर जाने के बाद बाकी सामान भी उतार दिया। बेल्ट और जैकेट नहीं पहने हुए थे। हालांकि इस दौरान पाइप से लगातार ब्लोअर हवा डाली जा रही थी।

प्रबंध निदेशक के दावे भी झूठे साबित

उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) के प्रबंध निदेशक राकेश कुमार मिश्रा का कहना था कि दोबारा ऐसा कुछ नहीं होगा। यहां तक की कार्यदायी संस्था पर भी कार्रवाई करने की बात कही गई थी। उसके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कराया गया। केके स्पन तब यह काम करा रही थी। बड़ी बात यह है कि अभी भी वहां केके स्पन कंपनी ही काम करा रही है।

बिना मास्क पहने उतरे सफाईकर्मी

मौके पर नजर आया कि कर्मचारियों ने मास्क तक नहीं पहना था। हालांकि पूछने पर बताया कि उतार दिया है। इस दौरान सीवर के अंदर से लगातार वह कचरा निकाल रहा था। लेकिन उसके बाद सुरक्षा मानक का को कोई सामान नहीं था। नियम यह है कि अगर कोई सीवर लाइन कहीं सफाई हो रही है तो संबंधित जगह के अलावा आस- पास दोनों तरफ से ढक्कन भी खोल दिए जाते हैं। करीब एक घंटे पहले ही यह काम किया जाता है। इससे कि गैस बाहर निकल जाए लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं किया गया था। मजूदर दिवस एक मई को उसी जगह पर दो कर्मचारियों की मौत अंदर जाने और जहरीली गैस के संपर्क में आने की वजह से हुई थी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।